सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 168 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 23 जुलाई, 2024

भारत की विविधता को मिटाना इतिहास... 7 | नतीजों से घबराई भाजपा ने बदली... 3

केंद्र का लोस नतीजों से पीड़ित बजट पेश

विपक्ष ने बताया 'सरकार बचाओ बजट'

- फिर हुई अन्नदाताओं की अनदेखी
- टैक्स स्लैब में बदलाव ऊंट के मुंह में जीरा के समान
- युवाओं-बेरोजगारों को दिखाया झुनझुना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज केंद्र की नई एनडीए सरकार का पहला बजट पेश किया। इस बजट को पेश करते ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने नाम एक रिकॉर्ड भी दर्ज कर लिया। क्योंकि ये बतौर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का लगातार सातवां बजट है। बकौल सरकार बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान और युवाओं सभी का ध्यान रखा गया है।

वहीं विपक्ष ने इसे सिर्फ 'सरकार बचाओ' बजट करार दिया है। लेकिन असल मायनों में एनडीए सरकार का ये बजट लोकसभा चुनाव के नतीजों से पूरी तरह से प्रभावित रहा। जिन राज्यों में भाजपा का प्रदर्शन सही रहा, उन राज्यों को सौगातें दी गईं। तो वहीं जिनकी वजह से सरकार में हैं उन बिहार और आंध्र को खुश करने का पूरा प्रयास किया गया। लेकिन देश के सबसे बड़े व प्रमुख राज्य उत्तर प्रदेश को इस बजट में कुछ भी नहीं मिला। जिसकी वजह रहे लोकसभा चुनाव के नतीजे। कहने के लिए टैक्स स्लैब में फिर से बदलाव किया गया, लेकिन ये बदलाव किसी काम का नजर नहीं आ रहा है। सबसे बड़ी बात कि देश के अन्नदाता कहे जाने वाले किसानों की इस बजट में फिर से अनदेखी की गई। न तो एमएसपी पर कोई राहत मिली है और न ही किसी अन्य योजना के जरिए किसानों को खुशी मिली है। कुछ ऐसा ही हाल देश के बेरोजगारों व युवाओं का भी रहा है।

एक करोड़ युवाओं को 500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका

अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार एक करोड़ युवाओं को अगले पांच साल में टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका देगी। यह इंटर्नशिप 12 महीने की होगी। इसके तहत युवाओं को हर महीने पांच हजार रुपये का भत्ता भी दिया जाएगा। यही नहीं, उन्हें एकमुश्त मदद के रूप में छह हजार रुपये दिए जाएंगे। कंपनियों को अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत प्रशिक्षण का खर्च और इंटर्नशिप की 10 फीसदी लागत को वहन करना होगा। इसके अलावा एक नई केंद्र प्रायोजित योजना की घोषणा भी की। इस योजना के तहत राज्य सरकारों और उद्योग के साथ कौशल और सहयोग के लिए पांच साल की अवधि में 20 लाख युवाओं को कुशल बनाया जाएगा। सरकार रोजगार में प्रवेश करने वाले 30 लाख युवाओं को भी फायदा देगी। यह फायदा पीएफ में एक महीने के योगदान के रूप में होगा।

एमएसपी पर कुछ भी नहीं

इस बजट से देश के अन्नदाता भी काफी उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन उनके लिए एमएसपी और पीएम किसान सम्मान निधि की राशि में बढ़ोतरी को लेकर कोई ऐलान नहीं किए गए। बजट में किसानों और कृषि क्षेत्र के 1.52 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस फंड से कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के लिए योजनाएं बनाई जाएंगी।

टैक्स स्लैब में फिर बदलाव

नए बजट में एक बार फिर टैक्स स्लैब में बदलाव किया गया है। नई कर प्रणाली में स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया गया है। पारिवारिक पेंशन पर छूट की सीमा 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपये की जा रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि इन दोनों बदलावों से चार करोड़ नौकरीपेशा और पेंशनरों को फायदा मिलेगा। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि टैक्स स्लैब में बदलाव से 10 लाख से ज्यादा वेतन पाने वालों को 17,500 रुपये की बचत होगी।

नया टैक्स स्लैब

0 - 3 लाख रुपये -	0%
3 से 7 लाख रुपये -	5%
7 से 10 लाख रुपये -	10%
10 से 12 लाख रुपये -	15%
12 से 15 लाख रुपये -	20%
15 लाख से ज्यादा -	30%

ये हुआ सस्ता

- सोना-चांदी
- इंपोर्टेड ज्वैलरी
- प्लेटिनम पर कस्टम ड्यूटी घटी
- कैंसर की दवाएं
- मोबाइल-चार्जर
- मछली का भोजन
- चमड़े से बनी वस्तुएं
- रसायन पेट्रोकेमिकल
- पीवीसी फ्लेक्स बैनर

टेलीकॉम उपकरण हुए महंगे

- टेलिकॉम उपकरण महंगे हो गए हैं, इनपर लगने वाली कस्टम ड्यूटी को 15% कर दिया गया है।

शेयर बाजार हुआ धड़ाम

बजट ने शेयर बाजार निवेशकों को बड़ा झटका दिया है। कैपिटल गेन टैक्स के तहत लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन को 2.50 फीसदी बढ़ाकर 12 फीसदी कर दिया गया है। वहीं चुनिंदा असेट्स पर शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया गया है। इस खबर के बाद शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली, सेंसेक्स 1200 अंक से ज्यादा टूट गया।

मध्यम वर्ग के सशक्तिकरण का बजट : पीएम मोदी

बजट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 10 सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। यह बजट नए मध्यम वर्ग के सशक्तिकरण के लिए है। युवाओं को इस बजट से असीमित अवसर मिलेंगे। इस बजट से शिक्षा और कौशल को नया आयाम मिलेगा। यह बजट नए मध्यम वर्ग को ताकत देगा। बजट महिलाओं, छोटे कारोबारियों और एमएसएमई को मदद करेगा।

सरकार बचाओ बजट : अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बजट पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार बचानी है तो अच्छी बात है कि बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है। अखिलेश यादव ने कहा कि जब तक किसान और नौजवानों की पक्की नौकरी का इंतजाम नहीं होगा, तब तक जनता को कोई बड़ा लाभ नहीं पहुंचेगा।

मोदी सरकार का नकलची बजट : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बजट पर कहा कि कांग्रेस के न्याय के एजेंडे को ठीक तरह से कॉपी भी नहीं कर पाया मोदी सरकार का नकलची बजट। बजट अपने गठबंधन एनडीए को बचाने की कोशिश मात्र है। ये देश की तरक्की का बजट नहीं, 'मोदी सरकार बचाओ' बजट है।

कांग्रेस के घोषणापत्र से कॉपी किया गया बजट : राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्रीय बजट को 'कुर्सी बचाओ' बजट करार देते हुए तंज कसते हुए कहा कि सहयोगियों को खुश किया गया और अन्य राज्यों की कीमत पर उनसे खोखले वादे किए गए। बजट में सिर्फ अपने मित्रों को खुश किया गया, जबकि आम भारतीय को कोई राहत नहीं दी। राहुल ने इस पूरे बजट को कांग्रेस के घोषणापत्र से कॉपी पेस्ट बताया।

सरकार बचाओ-महंगाई बढ़ाओ बजट : संजय सिंह

बजट को लेकर आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि इस बार का बजट 'सरकार बचाओं - महंगाई बढ़ाओ' बजट हैं। किसान की एमएसपी दुगुना नही। कर्मचारी को ओपीएस नही। नौजवान अग्निवीर योजना में फंसा रहेगा। महिलाए मंहगाई की मार झेलती रहेंगी। देश के हर वर्ग को निराश करने वाला बजट लेकर आई है मोदी सरकार। यह बजट निराशा का बजट है।

मानसून के बाद अब अखिलेश ने दिया विंटर ऑफर

» बोले- समय के हिसाब से चलेगा ऑफर, सीएम योगी और डिप्टी सीएम केशव लगातार बने हैं आमने-सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के अंदर उठापटक मची हुई है। प्रदेश में सरकार और संगठन के बीच लगातार तनाव की खबरें बनी हुई हैं और मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आमने-सामने डटे हुए हैं। ऐसे में प्रदेश के प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी इस आंतरिक कलह को और भी हवा दे रही है। यही कारण है कि अखिलेश यादव लगातार केशव मौर्य को निशाने पर ले रहे हैं।

मानसून ऑफर के बाद अखिलेश यादव ने अब केशव मौर्य को विंटर ऑफर भी दे दिया है। उन्होंने कहा अभी बारिश हो रही है। फिर विंटर ऑफर आएगा। उन्होंने कहा कि ये जो ऑफर है समय के हिसाब से चलेगा। ये ऑफर पूरे मानसून चलेगा। फिर विंटर ऑफर आएगा।

केशव मौर्य ने किया था अखिलेश पर पलटवार

जाहिर है कि केशव प्रसाद मौर्य को अखिलेश यादव ने मानसून ऑफर दिया था जिसमें कहा गया था कि 100 विधायक लाओ और सरकार बनाओ। इस पर केशव प्रसाद मौर्य की ओर से पलटवार भी किया गया। मौर्य ने इसे मुंगेरीलाल के हसीन सपने बताया। केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पोस्ट में दावा किया कि मानसून ऑफर को 2027 में 47 पर जनता और कार्यकर्ता फिर समेटेंगे। बिना नाम लिए केशव मौर्य ने सपा को डूबता जहाज बताया। उन्होंने कहा कि एक डूबता जहाज और समाप्त होने वाला दल जिसका वर्तमान और भविष्य खतरे में है। वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख सकता है, परंतु पूर्ण नहीं हो सकता।

सीएम-डिप्टी सीएम के तनाव का फायदा उठाना चाह रहे अखिलेश

अखिलेश की ओर से यह प्रस्ताव उत्तर प्रदेश में भाजपा के भीतर बढ़ते तनाव के बीच आया है। अखिलेश यादव की टिप्पणी का उद्देश्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके डिप्टी सीएम केशव मौर्य के बीच कथित दरार को भुनाना था। इससे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यूपी के उपमुख्यमंत्री मौर्य ने अखिलेश पर तंज कसते हुए उन्हें एसपी बहादुर कहा और कहा कि बीजेपी के पास देश और प्रदेश दोनों में एक मजबूत संगठन और सरकार है। इसके साथ ही उन्होंने सपा के पीडीए फॉर्मूले (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्याक) पर निशाना साधते हुए इसे धोखा बताया।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पर संशय बरकरार

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के विधायक पद से इस्तीफा देने के बाद विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की जगह खाली हो गई है। सपा इस पद पर किसी भरोसेमंद को बैठाना चाहेगी। इस वजह से शिवपाल यादव का नाम रेस में सबसे आगे चल रहा है। लेकिन अब कई और नाम भी रेस में आ गए हैं। राज्य में मानसून सत्र 29 जुलाई से शुरू हो रहा है, इससे पहले ये नाम तय हो जाएगा। हालांकि, शिवपाल का नाम रेस से बाहर नहीं है। लेकिन अगर पीडीए फॉर्मूला चला तो किसी दलित या ओबीसी वर्ग के नेता को तरजीह दी जा सकती है। दलित वर्ग से सपा विधायक इंद्रजीत सरोज का नाम सबसे आगे चल रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ओबीसी वर्ग से राम अचल राजभर का नाम रेस में आगे चल रहा है। इसके अलावा भी कुछ और नामों की चर्चा है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और सपा विधायक माता प्रसाद भी इस रेस में हैं। जानकारों की मानें तो विधानसभा में सपा पीडीए फॉर्मूले को ध्यान में रखते हुए किसी भी नाम का ऐलान करेगी।

लालू यादव ने मांगा सीएम नीतीश कुमार से इस्तीफा

» बोले- विशेष राज्य का दर्जा हम लेकर रहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रही नीतीश कुमार की जेडीयू को झटका लगा है। क्योंकि केंद्रीय राज्य वित्त मंत्री पंकज चौधरी ने पत्र के जरिए ये साफ कर दिया कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल सकता है।

विशेष राज्य का दर्जा देने का मामला नहीं बनता है। जिसके बाद अब नीतीश सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने तो सीएम नीतीश कुमार का इस्तीफा तक मांग लिया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निशाने पर लेते हुए राजद प्रमुख ने कहा कि नीतीश कुमार ने कहा था कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाएंगे। अब नहीं मिल रहा है तो वह इस्तीफा दे दें। आगे आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा कि विशेष राज्य का दर्जा हम लोग लेकर रहेंगे। पत्र में दिए गए प्रावधानों के हवाले पर कहा कि बिल्कुल देना पड़ेगा।

विपक्ष इस बार बहुत मजबूत है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि विपक्ष की ओर से बोलने नहीं दिया जा रहा है इस पर लालू प्रसाद यादव ने कहा कि वह पहले वाला समझ लिए हैं क्या? विपक्ष इस बार बहुत मजबूत है। इस बार नहीं चलेगा। मजबूती से हम लोग एक साथ हैं।

राजनीति से प्रेरित है तुष्टीकरण का निर्णय: मायावती

आरएसएस की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों की भागीदारी पर प्रतिबंध हटाने पर भड़कीं बसपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने एक बार फिर भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आरएसएस की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों की भागीदारी पर प्रतिबंध हटाने के केंद्र के आदेश को संगठन को खुश करने के उद्देश्य से राजनीति से प्रेरित निर्णय बताया। उन्होंने आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की है।

मायावती ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस की शाखाओं में जाने पर 58 वर्ष से जारी प्रतिबंध को हटाने का केन्द्र का निर्णय देशहित से परे, राजनीति से प्रेरित संघ तुष्टीकरण का निर्णय है, ताकि सरकारी नीतियों व इनके अहंकारी रवैयों आदि को लेकर लोकसभा चुनाव के बाद दोनों के बीच तीव्र हुई तल्खी दूर हो।

सरकारी कर्मचारियों को जनकल्याण में काम करना चाहिए

पूर्व सीएम ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को संविधान व कानून के दायरे में रहकर निष्पक्षता के साथ जनहित व जनकल्याण में कार्य करना जरूरी होता है जबकि कई बार प्रतिबन्धित रहे आरएसएस की गतिविधियां काफी राजनीतिक ही नहीं बल्कि पार्टी विशेष के लिए चुनावी भी रही हैं। ऐसे में यह निर्णय अनुचित, तुरन्त वापस हो।

पिछले हफ्ते ही मोदी सरकार ने जारी किया था आदेश

बता दें कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले हफ्ते एक आदेश जारी कर आरएसएस की गतिविधियों में सरकारी अधिकारियों की भागीदारी पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया। सरकार के इस फैसले पर सियासत तेज हो गई है। विपक्ष सरकार के इस कदम की आलोचना कर रहा है। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने भी आदेश का एक स्क्रीनशॉट साझा किया और कहा कि 58 साल पहले जारी एक असंवैधानिक निर्देश को मोदी सरकार ने वापस ले लिया है।

लखनऊ के ईडी दफ्तर में पेश हुए एल्विश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूट्यूबर और बिग बॉस फेम एल्विश यादव मनी लॉड्रिंग मामले में ईडी के सामने पेश हुए। उन्हें लखनऊ के ईडी दफ्तर में मनी लॉड्रिंग के आरोपों पर जवाब देने के लिए बुलाया गया था। वहां पहुंचने पर एल्विश यादव से पूछा गया कि आपको कई तारीखों पर बुलाया गया, लेकिन आप बार-बार कोई कारण बताकर नहीं आ रहे थे। इस पर एल्विश यादव ने कहा कि आपने शायद देखा नहीं था मैं उस समय यूके में था। आपके ऊपर सांपों की तस्करी करने समेत गंभीर आरोप लगे हैं। इस पर बिग बॉस फेम ने कहा कि यह मामला अभी कोर्ट में है।

दरअसल, बीते मई महीने में नोएडा पुलिस ने 1200 पन्ने की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की है,

जिसमें एल्विश समेत उसके 8 सहयोगियों पर लगे तमाम आरोपों को साबित करने की बात नोएडा पुलिस ने की थी। ईडी अब इस केस से जुड़ी जानकारी नोएडा पुलिस से जुटाएगी और चार्जशीट में दर्ज अहम सबूतों के जरिए अपनी जांच को और आगे बढ़ा रही है।

नतीजों से घबराई भाजपा ने बदली अपनी रणनीति!

यूपी से लेकर महाराष्ट्र तक पार्टी के अंदर मची उठापटक

- » अंदरूनी कलह बना शीर्ष नेतृत्व के लिए सिर दर्द
- » चुनावी राज्यों में ग्राउंड कनेक्ट से लेकर युवा वर्ग तक को साधने की कवायद
- » हिंदुत्व के साथ-साथ सहयोगियों को भी साथ रखने का प्रयास
- » यूपी में नहीं थम रही आंतरिक कलह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनावों के नतीजों में भारतीय जनता पार्टी को तगड़ा झटका लगा। चुनावों में 400 पार के सपने पालने वाली बीजेपी नतीजों में पूर्ण बहुमत के 272 के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाई और सिर्फ 240 पर ही सिमटकर रह गई। हालांकि, अपने सहयोगियों की बैसाखियों के सहारे भाजपा ने केंद्र में सरकार बना ली। लेकिन ये सरकार 2014 और 2019 के रुतबे वाली सरकार नहीं है। क्योंकि इस बार पीएम मोदी अपनी मनमानी नहीं चला पाएंगे। इस बार के नतीजों में भाजपा को कई राज्यों में नुकसान हुआ है। लेकिन कुछ ऐसे राज्यों में भाजपा का खेल पूरी तरह से बिगड़ गया, जहां पार्टी खुद को मजबूत मानकर चल रही थी। यही कारण है कि अब इन झटकों को देखते हुए भाजपा में खलबली मची हुई है और पार्टी ने खुद को रिवाइव करने की योजना बनाई है।

इन नतीजों से नसीहत लेते हुए भाजपा को एक बात तो समझ में आ गई कि देश में अब कोई मोदी मैजिक जैसा धोखा नहीं है। न ही इस देश की जनता किसी के अहंकार को या किसी अहंकारी तानाशह को बर्दाश्त कर सकती है। इसीलिए भाजपा ने इन नतीजों से सीख लेते हुए और भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपनी नीतियों में बदलाव करने की योजना बनाई है। भाजपा ये जान गई है कि लोकसभा चुनाव के नतीजे उसके भविष्य के लिए एक चेतावनी हैं। क्योंकि इस बार तो वो कैसे भी करके सहयोगियों की मदद से सत्ता के मुकाम तक पहुंच गई। लेकिन आने वाले वक्त में बीजेपी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। साथ ही इस खिचड़ी सरकार का भी कोई भरोसा नहीं है कि ये कब तक बीजेपी को सत्ता का सुख दे सके। क्योंकि इन नतीजों के आते ही अब भाजपा में केंद्र से लेकर कई राज्यों तक में पार्टी के अंदर से ही आवाजें उठने लगी हैं और विरोध सामने आने लगा। जिसमें उत्तर प्रदेश में मची बड़ी सियासी हलचल सबसे बड़ा उदाहरण है। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने अब अपनी रणनीति में बदलाव करना शुरू कर दिया है और अपनी नीतियों को बदल रही है।

भाजपा ने ग्राउंड कनेक्ट से लेकर युवा वर्ग को साधने की कवायद शुरू कर दी है। महाराष्ट्र, हरियाणा, यूपी और बंगाल तक के माहौल में बदलाव देखा जा रहा है। जिन राज्यों में बीजेपी खुद को मजबूत मान रही थी, वहां नतीजों ने नाराजगी का आईना दिखा दिया। अब क्षेत्रीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने की वकालत होने लगी है। पार्टी आलाकमान भी आंतरिक समीक्षाएं कर रहा है। खराब प्रदर्शन को लेकर सबसे पहले उत्तर प्रदेश यूनिट से रिपोर्ट तलब की गई। यूपी बीजेपी चीफ भूपेंद्र चौधरी ने पार्टी आलाकमान से मुलाकात की और 15 पेज की अपनी रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट में 40 हजार कार्यकर्ताओं का फीडबैक होने का दावा किया गया है। इस रिपोर्ट में कार्यकर्ताओं के असंतोष और प्रशासन की मनमानी को हार की प्रमुख वजह बताया है। रिपोर्ट में आरक्षण में विसंगतियां, ठेके पर नौकरियों का भी जिक्र है। जाहिर है कि यूपी में प्रदेश अध्यक्ष, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों के बीच लगातार रैंच मची हुई है। एक ओर जहां सीएम योगी की कुर्सी खतरे में बताई जा रही है, तो वहीं कुछ जानकारों का मानना है कि यूपी सरकार में संगठन और मंत्रिमंडल में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। लेकिन योगी को कुर्सी से हटाना गुजरात लॉबी के लिए इतना आसान नहीं बताया जा रहा है। हालांकि, ये सब कयास हैं। लेकिन सीएम योगी और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बीच आए दिन तल्खियां बढ़ती जा रही हैं।

हरियाणा में भाजपा की हालत काफी पतली

इस साल के अंत तक हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इन राज्यों को लेकर भी बीजेपी अब अपनी नीतियों को बदलने की योजना बना रही है। हरियाणा और महाराष्ट्र में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए की सरकार है। झारखंड में बीजेपी विपक्ष में है। बीजेपी ने अब इन चुनावी राज्यों में फोकस बढ़ा दिया है। पिछले दिनों में कुछ ऐसे फैसले लिए गए, जो सीधे तौर पर चुनाव से जोड़कर देखे जा रहे हैं। हरियाणा में भाजपा की हालत काफी पतली बताई जा रही है। क्योंकि एक तो यहां बीजेपी के खिलाफ एंटी गवर्नमेंसी देखने को मिल रही है। साथ ही कांग्रेस ने अपनी पकड़ को मजबूत बनाया है। ऐसे में हरियाणा चुनाव से पहले बीजेपी ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) पर फोकस कर रही है और उसे साधने का प्रयास कर रही है। चूंकि यहां किसान और जाट वोटर्स बीजेपी से नाराज है। ऐसे में बीजेपी गैर जाट पॉलिटिक्स पर भरोसा कर रही है और आलाकमान ने ओबीसी समुदाय के नेताओं को बड़ी जिम्मेदारियां देकर विजन भी साफ कर दिया है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अचानक मनोहर लाल खट्टर को सीएम पद से हटाकर उनकी जगह पिछड़ा वर्ग से आने वाले नायब सैनी को जिम्मेदारी सौंप दी गई। बीजेपी ने अपनी सहयोगी पार्टी जजपा के साथ गठबंधन भी तोड़ दिया था। पार्टी को उम्मीद थी कि लोकसभा चुनाव में इसका फायदा मिलेगा। हालांकि, नतीजे आए तो बड़ा नुकसान झेलना पड़ा। पिछले आम चुनाव में हरियाणा में क्लीन स्वीप करने वाली बीजेपी ने आधी सीटें खो दीं। अब विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पार्टी ने ब्राह्मण कार्ड खेला है और मोहन लाल बड़ौली को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। हरियाणा में ओबीसी और ब्राह्मण समुदायों को मिलाकर करीब 35 फीसदी वोटर्स हैं। बीजेपी भले ही संगठन में हर वर्ग को साधने का संदेश दे रही है, लेकिन सरकार के फैसलों में युवाओं से लेकर ओबीसी वर्ग की झलक देखने को मिल रही है। बीजेपी ने ओबीसी वोटरों को साधने के लिए क्रीमी लेयर बढ़ाने का ऐलान किया है। साथ ही ओबीसी जातियों की क्यकैटेगरी के लिए भी नया कोटा तय किया है। हरियाणा सरकार ने युवाओं को अपने पाले में लाने के लिए अग्निवीरों को पुलिस भर्ती और माइनिंग गार्ड की भर्ती में 10 फीसदी का आरक्षण देने का भी दांव खेला। हालांकि, किसानों व पहलवानों की नाराजगी पर ये दांव कितना असर करेंगे ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

बंगाल में हिंदुत्व का सहारा ले रही बीजेपी

हरियाणा के अलावा पश्चिम बंगाल में बीजेपी को लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए उपचुनावों में बड़ी हार का सामना करना पड़ा। लगातार मिल रही हार के बाद बंगाल बीजेपी में खलबली मची हुई है। इस बीच बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने चौंकाने वाला बयान देते हुए कह दिया कि अब सबका साथ सबका विकास का नारा बदल देना चाहिए। सबका साथ सबका विकास जरूरी नहीं बल्कि जो हमारे साथ, हम उसके साथ, वाला फॉर्मूला चलेगा। अधिकारी ने साफ कहा कि हमें अल्पसंख्यक मोर्चे की भी जरूरत नहीं है। मतलब साफ है कि अब बंगाल में बीजेपी हिंदुत्व का कार्ड खेल रही है। ताकि बंगाल में हिंदू-मुस्लिम के नैरेटिव को और भी धार दी जा सके। हालांकि, ये इतना आसान नहीं है। यही कारण है कि अधिकारी के बयान पर जब विवाद बढ़ा तो उन्हें अपने बयान पर सफाई देनी पड़ी। सफाई देते हुए अधिकारी ने कहा कि मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि सबका साथ सबका विकास प्रधानमंत्री मोदी का नारा है और मेरे कहने से यह नहीं बदलेगा। यह एनडीए सरकार का एजेंडा है। यह बीजेपी का भी एजेंडा है। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैंने ऐसा क्यों कहा। फिलहाल, शुभेंदु के बयान से साफ है कि बीजेपी अब बंगाल में हिंदू वोटर्स पर फोकस रखेगी। बंगाल बीजेपी का मानना है कि लोकसभा चुनाव में मुस्लिम वोटर्स ने एकजुट होकर टीएमसी को सपोर्ट किया है। जबकि हिंदू वोटर्स में विभाजन देखा गया। ऐसे में अब हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण की कोशिश की जाएगी। हालांकि, पश्चिम बंगाल में बीजेपी का हिंदुत्व कार्ड नया नहीं है। इससे पहले भी बीजेपी हिंदुत्व को लेकर मुखर देखी गई। बीजेपी लगातार ममता बनर्जी सरकार पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाती रही है। हालांकि, लोकसभा और उपचुनाव में मिली हार के बाद बंगाल में भाजपा का सियासी भविष्य खतरे में दिख रहा है।

महाराष्ट्र में मुश्किल में 'महायुति'

महाराष्ट्र में भी इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। लेकिन महाराष्ट्र में भाजपा की हालत काफी खराब नजर आती है। लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी को यहां नुकसान हुआ था। वहीं सत्ता में शामिल उसके साथी एनसीपी अजित पवार और सीएम एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना के बीच भी अब सबकुछ सही नहीं नजर आ रहा है। आपसी कलह और सहयोगियों में मतभेद महाराष्ट्र में बीजेपी के कमजोर होने की प्रमुख वजह है। हालांकि, चुनावों को नजदीक देख प्रदेश की महायुति सरकार ने पिटारा खोल दिया है। युवाओं से लेकर महिलाओं को अपने पाले में लाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार की तर्ज पर योजनाओं को जमीन पर उतार दिया है। महाराष्ट्र में शिंदे सरकार ने 'लड़की बहिन योजना' और 'लाडला भाई योजना' शुरू की हैं। इन योजनाओं के जरिए शिंदे सरकार ने महिलाओं और युवाओं को साधने का प्रयास किया है। माना जा रहा है कि 'लड़की बहिन योजना' योजना से न सिर्फ आधी आबादी को सीधे फायदा पहुंचेगा, बल्कि मध्य प्रदेश की तरह महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों में भी मैजिक दिखने की उम्मीद है। इसी तरह बेरोजगार युवा वर्ग को साधने के लिए 'लाडला भाई योजना' लायी गई है। जाहिर है कि इन दोनों योजनाओं को लाने का मकसद आगामी विधानसभा चुनावों में लाभ उठाना है। हालांकि, जनता भी इस बात को अच्छे से समझती है।

सहयोगियों को साथ लेकर चलने में ही भलाई

जाहिर है कि लोकसभा चुनावों में हुए नुकसान और झटके के बाद अब भाजपा में कई राज्यों में खलबली मची हुई है। बीजेपी आलाकमान भी किसी भी तरह से पार्टी के अंदर जारी अतंरकलह को शांत करने में लगी है। लोकसभा चुनाव में बीजेपी के डाउन होने के बाद से अब पार्टी के अंदर अनुशासन कमजोर पड़ता जा रहा है। लगातार पार्टी के अंदर से ही उठ रही आवाजें आलाकमान के लिए सिर दर्द बनी हुई हैं। साथ ही पार्टी का आलाकमान अब ये भी समझ चुका है कि सहयोगियों को नजरअंदाज करके भला नहीं हो सकता है। भलाई इसी में है कि सहयोगियों को साथ लेकर चला जाए। क्योंकि केंद्र की सत्ता उन्हीं के दम पर है। फिलहाल देखते हैं मोदी और बीजेपी कैसे आगे की रणनीति को बनाते हैं।

ओडिशा के बहाने झारखंड साधने की कोशिश

झारखंड में भी इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। झारखंड में सत्ताधारी दल झामुमो इस बार भी मजबूत नजर आ रही है। वहीं हेमंत सोरेन के जेल जाने से उन्हें जनता के बीच सिम्पैथी मिलने की भी पूरी उम्मीद है। चुनाव से पहले अब जब हेमंत सोरेन ने जेल से आकर फिर से सीएम की कुर्सी संभाल ली है, इससे बीजेपी को और भी झटका लगा है। यही वजह है कि बीजेपी ने यहां आदिवासी वर्ग को साधने की योजना बनाई है। ओडिशा में आदिवासी वर्ग का सीएम चुनना झारखंड में चुनावी लाभ लेने की दिशा में चला गया एक कदम है। लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी को झारखंड में नुकसान उठाना पड़ा था। जो संकेत है कि विधानसभा चुनाव से ठीक पहले झारखंड में बीजेपी के खिलाफ माहौल है। बीजेपी को अंदेशा है कि हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी एनडीए पर उल्टा असर डाल सकती है। क्योंकि एनडीए को आदिवासी सीटों पर करारी हार का सामना करना पड़ा। यही कारण है कि ओडिशा में मोहन माझी को कमान सौंपकर बीजेपी झारखंड में आदिवासी वोटर्स को आकर्षित करने की कोशिश कर रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार, झारखंड में अनुसूचित जनजातियों की हिस्सेदारी 26.2 प्रतिशत है। इसके अलावा ओडिशा के आदिवासी सांसद जुएल ओराम को केंद्रीय मंत्रिमंडल में वापस लाना उसी रणनीति का हिस्सा है। हालांकि, इस बात की कोई गारंटी नहीं कि ऐसे दांव सफल होंगे।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सर्वोच्च न्यायालय ने फिर किया 'न्याय'!

"अब एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश समेत बीजेपी शासित कुछ राज्यों के विभाजनकारी फरमान पर रोक लगाते हुए एक निष्पक्ष आदेश जारी किया है। जिससे एक बार फिर सर्वोच्च अदालत की सर्वोच्चता साबित हुई है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कांवड़ यात्रा के मार्ग पर सभी खाद्य पदार्थों की दुकानों के मालिकों को दुकान के बाहर अपने नाम की नेमप्लेट लगाने का आदेश जारी किया था।"

किसी भी देश की न्याय पालिकाओं से ये उम्मीद की जाती है कि वो देश में न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाए रखें। इसीलिए न्याय पालिका को निष्पक्ष और स्वतंत्र होना चाहिए। हालांकि, भारत में बीच-बीच में न्यायपालिकाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठे हैं। लेकिन डीवाई चंद्रचूड़ के मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद से सुप्रीम कोर्ट पर सत्ता का दबाव नहीं दिखा है और सर्वोच्च न्यायालय अपनी सर्वोच्चता बनाए हुए है। अब एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश समेत बीजेपी शासित कुछ राज्यों के विभाजनकारी फरमान पर रोक लगाते हुए एक निष्पक्ष आदेश जारी किया है। जिससे एक बार फिर सर्वोच्च अदालत की सर्वोच्चता साबित हुई है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कांवड़ यात्रा के मार्ग पर सभी खाद्य पदार्थों की दुकानों के मालिकों को दुकान के बाहर अपने नाम की नेमप्लेट लगाने का आदेश जारी किया था। ताकि ये पता चल सके कि दुकान का मालिक हिंदू है या मुसलमान।

यूपी के बाद मध्य प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों ने भी ये आदेश लागू किया। योगी सरकार के इस आदेश के बाद प्रदेश के कई इलाकों में गुंडागर्दी व अराजकता की घटनाएं देखी गईं। जहां कांवड़ियों ने या पुलिस ने मुस्लिम दुकानदारों के साथ अभद्रता की। इस आदेश के पीछे सरकार का कहना था कि कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों को ये सुनिश्चित हो सके कि वो जिस दुकान से खाने-पीने का सामान ले रहे हैं, वो हिंदू की ही है। कहीं न कहीं ये आदेश समाज में हिंदू-मुसलमान का बंटवारा करने वाला था। वहीं पुलिस ने इस आदेश की आड़ में कई दुकानों व ढाबों से मुस्लिम कर्मचारियों को जबरदस्ती निकाला भी। जिससे आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के आर्थिक स्थिति पर भी असर पड़ने लगा। इस आदेश का विरोध उठना भी शुरू हो गया। सबसे बड़ी बात कि एनडीए के घटक दल भी इस आदेश का विरोध कर रहे थे। ऐसे में मामला देश की सर्वोच्च अदालत की चौखट पर पहुंचा। जहां से असल मायनों में न्याय की उम्मीद की जा सकती है। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने दलीलों को सुनने के बाद यूपी की योगी सरकार के इस तुगलकी फरमान पर अंतरिम रोक लगा दी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने असल मायनों में न्याय करते हुए ये आदेश भी दिया कि नाम-पहचान लिखने की जगह दुकानदारों को सिर्फ खाना शाकाहारी या मांसाहारी है, ये लिखना होगा। ताकि कांवड़िये शाकाहारी भोजन ही कर सकें। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यूपी समेत एमपी और उत्तराखंड की सरकारों को नोटिस भी जारी कर दिया। ऐसे में सवाल ये उठता है कि अगर योगी सरकार को भी सिर्फ कांवड़ यात्रा के दौरान शाकाहारी खाने पर ही जोर देना था, तो वो भी ये ही आदेश दे सकती थी। इसमें दुकानदारों के नाम व पहचान के नेमप्लेट लगवाने का आदेश देने की क्या जरूरत थी ? आखिर भाजपा हिंदू-मुसलमान और विभाजनकारी राजनीति की अपनी आदत से कब बाज आएगी?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

असहनीय गर्मी से बचाव हेतु बनें सरकारी नीतियां

मुकुल व्यास

पृथ्वी ने लगातार 13 महीनों तक तापमान के रिकॉर्ड तोड़े हैं। हर महीने तापमान पूर्व-औद्योगिक औसत से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार जून, 2023 से हर महीना अपने पिछले महीने से ज्यादा गर्म रहा है जिससे जुलाई, 2023 और जून, 2024 के बीच वैश्विक औसत तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले के तापमान से (1.64 डिग्री सेल्सियस) ज्यादा हो गया है। नई रिपोर्ट तैयार करने वाली यूरोपियन यूनियन की कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के निदेशक कार्लो बुओनटेम्पो ने कहा कि यह सिर्फ सांख्यिकीय विषमता नहीं है। ये आंकड़े हमारी जलवायु में एक बड़े और निरंतर परिवर्तन को उजागर करते हैं। भले ही चरम सीमाओं का यह विशिष्ट सिलसिला किसी बिंदु पर समाप्त हो जाए, लेकिन जलवायु के गर्म होने के साथ-साथ हम नए रिकॉर्ड टूटते हुए देखेंगे। जब तक हम वायुमंडल और महासागरों में ग्रीनहाउस गैसों को जोड़ना बंद नहीं करते, यह सिलसिला जारी रहेगा।

दुनिया ने इस साल गर्मी का रौद्र रूप देखा है। दक्षिणी और पूर्वी एशिया, दक्षिणी पश्चिमी अमेरिका, मध्य अमेरिका और दक्षिण-पूर्वी यूरोप सहित दुनिया के कई हिस्सों को अत्यधिक गर्मी का सामना करना पड़ा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह काफी हद तक ग्लोबल वार्मिंग का ही नतीजा है। उत्तरी भारत ने कई सप्ताह तक भीषण गर्मी झेली, जिसमें तापमान 44-45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अत्यधिक गर्मी जानलेवा हो सकती है। मार्च में भारत में गर्मी शुरू होने के बाद साढ़े तीन महीनों के दौरान अनेक लोगों की जानें गई। लू और गर्मी से मरने वालों की सही-सही संख्या का अंदाजा लगाना मुश्किल है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार गर्मी की वजह से 143 लोगों की मृत्यु हुई। लेकिन विभिन्न राज्यों से मिले आंकड़े बताते हैं कि हीट स्ट्रोक से मौत के पुष्ट और संदिग्ध मामले 400 से अधिक हैं। सबसे ज्यादा मौतें उत्तर प्रदेश में हुईं जबकि पुष्ट मामलों में दिल्ली सबसे आगे रहा।

भारत में इस साल गर्मी असाधारण रूप से असहनीय रही। पिछले सालों की तुलना में लू इस बार अधिक तीव्र रही। गर्म हवाओं की अवधि भी सामान्य से अधिक रही। इस बार न सिर्फ दिन बल्कि रातें भी अच्छी-खासी गर्म रहीं। दिल्ली में जून के महीने में एक दिन रात का

न्यूनतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो कि पिछले 60 वर्षों में दर्ज सबसे अधिक न्यूनतम तापमान है। लंबे समय से चल रही गर्मी के कारण बिजली की खपत के रिकॉर्ड भी टूटे। पानी के संकट के कारण लोगों की कठिनाइयां और भी बढ़ गईं। भारत के अलावा दुनिया के दूसरे देशों में भी हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन से कई मौतें हुईं। सबसे भयानक त्रासदी सऊदी अरब में हुई जहां 1300 से अधिक हाजियों ने भीषण गर्मी में दम तोड़ दिया। उन दिनों वहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के आसपास चल रहा था। शोध से पता चलता है कि उत्तरी गोलार्ध में गर्मी की खतरनाक लहरों के पीछे मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन है और आने वाले दशकों में दुनिया को ऐसे ही मौसम का सामना करना पड़ेगा। जीवाश्म ईंधन के निरंतर जलने से वायुमंडल में अधिक कार्बन का उत्सर्जन होता है, जिससे हवा सूर्य से आने वाली अधिक गर्मी को ट्रैप कर सकती है। इससे औसत वैश्विक तापमान बढ़ता है। दुनिया में तापमान वृद्धि की शुरुआत पश्चिमी देशों द्वारा कोयला और अन्य जीवाश्म ईंधन जलाने से हुई। वैज्ञानिक यह पता लगाने के लिए अध्ययन कर रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन ने किसी विशिष्ट गर्मी की लहर को कितना प्रभावित किया है। उन्होंने पिछले दशक में ऐसे सैकड़ों अध्ययन किए हैं, जिसमें कंप्यूटर सिमुलेशन के जरिए आज की मौसम प्रणालियों की तुलना की गई है। वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि यदि पिछली सदी में मनुष्यों ने वायुमंडल की केमिस्ट्री को नहीं बदला होता तो आज मौसम कैसा व्यवहार करता। ग्लोबल वार्मिंग के अलावा, अन्य कारक और परिस्थितियां भी हीट वेव को प्रभावित कर सकती हैं। एल नीनो या ला नीना जैसी जलवायु प्रणालियां, क्षेत्रीय सर्कुलेशन पैटर्न के साथ-साथ एक बड़ा प्रभाव डाल सकती हैं। भूमि आवरण भी एक बड़ी भूमिका निभा सकता है, जिसमें अंधेरी सतह और निर्मित वातावरण परावर्तक सफेद सतहों या जंगलों या आर्द्र भूमि जैसी प्राकृतिक प्रणालियों की तुलना में अधिक गर्म होते हैं।

जलवायु प्रणाली में भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका है। भूमि के इस्तेमाल में परिवर्तन से जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा मिलता है। जलवायु परिवर्तन मानव स्वास्थ्य को संकट में डालने के अलावा प्राकृतिक प्रणालियों को भी प्रभावित कर रहा है। इसकी वजह से वर्षा, बाढ़ और समुद्री तूफान का पैटर्न बदल रहा है। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं। वैज्ञानिकों का निष्कर्ष यह है कि जलवायु परिवर्तन पहले से ही गर्मी की लहरों को अधिक गर्म बना रहा है।

सौरमंडल को समझने का ज्ञान देता है चंद्रमा

योगेश कुमार गोयल

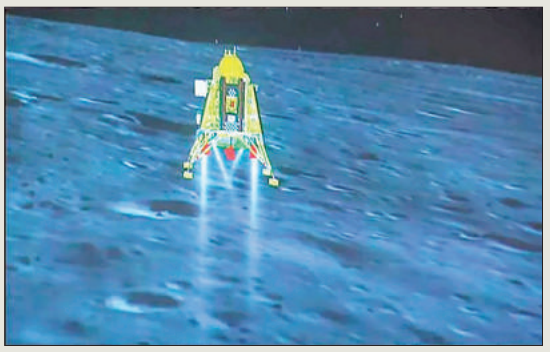

चंद्रमा की सतह पर मानव द्वारा पहली लैंडिंग की वर्षगांठ के रूप में 20 जुलाई को वर्ष 2022 से 'अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस' मनाया जा रहा है। इस वर्ष तीसरा अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस 'छाया को रोशन करना' थीम के साथ मनाया गया है। इसका लक्ष्य आम जनता को यह बताना है कि स्थायी चंद्र अन्वेषण करना कितना महत्वपूर्ण है। जैसे-जैसे अधिक मिशन चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचेंगे, वैसे-वैसे इसका रहस्य उजागर होता जाएगा और छायाएं हमेशा के लिए प्रकाशित हो जाएंगी। इससे मानव जाति के लिए चंद्रमा की खोज और उससे लाभ उठाने का मार्ग प्रशस्त होगा। वर्ष 2023 में यह दिवस 'मानवता के लिए नई चंद्र यात्रा की शुरुआत' थीम के साथ मनाया गया था। अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस मनाने का आवेदन संयुक्त राष्ट्र कार्यालय फॉर आउटर स्पेस अफेयर्स को प्रस्तुत किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र समिति के 64वें सत्र के दौरान 2017 में बने एक गैर-सरकारी संगठन 'मून विलेज एसोसिएशन' ने बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग पर एक आवेदन प्रस्तुत किया था, जिसमें 20 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस के रूप में नामित करने का अनुरोध किया गया था। दरअसल, 'मून विलेज एसोसिएशन' सरकारों, उद्योग, शिक्षा जगत तथा मून विलेज के विकास में रुचि रखने वाली जनता के लिए एक स्थायी वैश्विक अनौपचारिक मंच के रूप में कार्य करता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 9 दिसम्बर, 2021 को इस एसोसिएशन तथा संगठन के भीतर कई अन्य समूहों द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को मान्यता प्रदान की, जिसके बाद वैश्विक समुदाय द्वारा यह दिवस 20 जुलाई, 2022 को पहली बार मनाया गया। भारत के लिए इस दिवस का महत्व बहुत ज्यादा है क्योंकि पिछले साल 14 जुलाई को चंद्र मिशन के तहत 'चंद्रयान-3' लांच किया गया था और चंद्रयान-3 मिशन के जरिये 23 अगस्त, 2023 को अंतरिक्ष क्षेत्र में एक अविस्मरणीय अध्याय लिखते हुए भारत ने ऐसा स्वर्णिम इतिहास रचा था, जिससे अभी तक दुनिया के तमाम देश कोसों दूर हैं। दरअसल चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के जिस बेहद रहस्यमय और गुमनाम दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखे थे, वह चंद्रमा का बेहद खतरनाक क्षेत्र माना जाता है।

इस मिशन की सफलता के साथ ही भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद चंद्रमा पर पहुंचने वाला चौथा देश बन गया था। चंद्रयान-3 मिशन की बड़ी सफलता के बाद इसरो अब चंद्रयान-4 मिशन को लांच करने की तैयारियों में जुटा है। भारत के इस चौथे मून मिशन को 2028 तक लांच किए जाने की संभावना है। चंद्रयान-4 को चांद से मिट्टी के नमूने लाने के लिए बनाया जा रहा है, जो 'शिव शक्ति' बिंदु से पृथ्वी पर चंद्र नमूने वापस लाएगा। अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस मनाने का उद्देश्य चंद्रमा के सतत उपयोग और अन्वेषण तथा चंद्र ग्रह पर और उसके आसपास की गतिविधियों के नियमों की आवश्यकता को शिक्षित करना और बढ़ावा देना है। वैसे यह जानना भी दिलचस्प है कि चंद्रमा पर 14-15 दिन तक सूर्य निकलता है और बाकी के 14-15 दिन अंधेरा रहता है। यही नहीं, चंद्रमा का एक दिन हमारे 29.5 दिन के बराबर होता है। जहां तक 20 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस' मनाए जाने की बात है तो 20 जुलाई, 1969 पूरी दुनिया के लिए एक ऐतिहासिक दिन था क्योंकि उस दिन पहली बार धरती से गए किसी इंसान ने चंद्रमा की सतह पर कदम रखा था।

अमेरिकी अंतरिक्ष उड़ान 'अपोलो-11' मिशन के हिस्से के रूप में अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग चंद्रमा पर कदम रखने वाले पहले मानव थे। नील आर्मस्ट्रांग ने जब चंद्रमा की सतह पर पहला कदम रखा था, तब कहा था कि यह एक आदमी के लिए एक छोटा कदम है लेकिन मानव जाति के लिए एक बड़ी छलांग है। समस्त मानव जाति के लिए चंद्रमा पर पदार्पण एक ऐसा ऐतिहासिक कार्य था, जिसके बाद विज्ञान और अंतरिक्ष को देखने का दुनिया का दृष्टिकोण ही बदल गया। दरअसल, हजारों वर्षों से मानव सभ्यताएं हमारे एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह चंद्रमा की उत्पत्ति और रहस्यों पर विचार करते हुए आकाश की ओर देखती रही हैं। हालांकि, चंद्रमा की उत्पत्ति को लेकर वैज्ञानिकों द्वारा कई तरह के सिद्धांत दिए गए हैं, जिनमें से सर्वाधिक मान्य 'बिग इम्पैक्ट थ्योरी' ही है, जिसके अनुसार कई अरब वर्ष पूर्व मंगल ग्रह के आकार का एक पिंड हमारी पृथ्वी से टकराया और उस टकराव के परिणामस्वरूप पृथ्वी की ऊपरी सतह टूटकर अंतरिक्ष में बिखर गई। पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव के कारण वह मलबा पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाने लगा और धीरे-धीरे एक पिंड के रूप में बदल गया और इस प्रकार पृथ्वी के प्राकृतिक उपग्रह चंद्रमा का जन्म हुआ। पृथ्वी से हुई टक्कर के परिणामस्वरूप ही पृथ्वी अपने अक्ष से 23.5 डिग्री झुक गई और उसी के बाद पृथ्वी पर विभिन्न ऋतुओं का जन्म हुआ तथा पृथ्वी के घूर्णन में स्थिरता आई। उस टक्कर की वजह से ही पृथ्वी पर जीवन के उद्भव के लिए अनुकूल पर्यावरण का जन्म हुआ। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के मुताबिक यदि हमें पृथ्वी को समझना है तो उसके लिए पहले चंद्रमा को समझना जरूरी है क्योंकि उसके बगैर हम अपने सौरमंडल को भी सही ढंग से नहीं समझ सकते।

बारिश में उठाएं वड़ा पाव का लुत्फ

बैटर के लिए

1 कप बेसन, 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर, 1/4 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चुटकी हींग, नमक स्वादानुसार, पानी।

विभिन्न प्रकार की चटनी

हरी चटनी, लहसुन की चटनी, मीठी इमली की चटनी।

बारिश का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में हर किसी का चटाकेदार चीजें खाने का मन तो करता ही है। खासतौर पर इस मौसम में स्ट्रीटफूड खाने का अपना अलग ही स्वाद होता है लेकिन कई बार इस मौसम में बाहर की चीजें काफी नुकसान पहुंचा देती हैं। ज्यादातर लोग इस मौसम में स्ट्रीट पर मिलने पकवान खाना पसंद करते हैं। इनमें समोसे, पकौड़े, आलू टिक्की और वड़ा पाव मुख्य रूप से लोगों के दिलों पर राज करती हैं। बाहर मिलने वाले पकवानों को खाकर तबियत बिगड़ने के डर से कई बार लोग बाहर खाने से कतराते हैं। ऐसे में आप इन सब चीजों को अपने घर पर बना सकती हैं। अगर आपको वड़ा पाव पसंद है तो आप इसे घर पर भी आसानी से तैयार कर सकती हैं। घर पर वड़ा पाव बनाने के लिए आप बेकरी से रेडीमेड पाव खरीद कर ला सकती हैं।

सामग्री

3-4 मध्यम आकार के आलू, 1/2 चम्मच राई, 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर, 1/2 चम्मच गरम मसाला, 1/2 चम्मच अमचूर पाउडर, 1/2 चम्मच जीरा, 1 चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट, 2-3 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), कुछ करी पते, नमक स्वादानुसार, तेल।

विधि

वड़ा बनाने के लिए आपको सबसे आलुओं को उबालकर ठंडा कर लें। इसके बाद एक कड़ाही में थोड़ा तेल गर्म करें। अब उसमें राई, जीरा और करी पत्ते डालें। इसके बाद अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह से भून लें। अब इसमें हल्दी पाउडर, गरम मसाला, अमचूर पाउडर और नमक डालें फिर अच्छी तरह मिलाएं। आखिर में इसमें उबले हुए आलुओं को डालकर मसालों में अच्छी तरह से मिक्स करें। अब मिश्रण को ठंडा होने दें और इससे वड़ा बनाएं। इसके बाद अब आपको बेसन का बैटर तैयार करना है, जिसमें वड़ा डालकर कोट किया जाएगा। बैटर तैयार करने के लिए एक बाउल में बेसन, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, हींग और नमक डालें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा बैटर तैयार करें। बैटर ज्यादा पतला या ज्यादा गाढ़ा नहीं होना चाहिए। अब वड़ा फ्राई करने के लिए सबसे पहले एक कढ़ाई में तेल को गरम करें। इसके बाद आलू की बॉल्स को बैटर में डुबोएं और गर्म तेल में गोल्डन ब्राउन होने तक तलें। तले हुए वड़े को टिशू सबसे आखिर में बारी आती है वड़ा पाव तैयार करने की। इसके लिए पाव को बीच से काटें और उसमें दोनों तरफ हरी चटनी, लहसुन की चटनी और मीठी चटनी लगाएं। अब तला हुआ वड़े को पाव के बीच में रखें। अब इसे गर्म-गर्म ही परोसें। आप इसके साथ तली हुई हरी मिर्च भी परोस सकते हैं।

तुरंत तैयार करें चॉकलेट के लजीज पकवान

चॉकलेट स्ट्रेस कम करने, मूड बेहतर बनाने, त्वचा के लिए और एनर्जी बूस्ट करने में भी चॉकलेट फायदेमंद है। घर पर बिना गैस या माइक्रोवेव के इस्तेमाल के चॉकलेट की दो डिश आसानी से तैयार कर सकते हैं। चॉकलेट में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। हृदय स्वास्थ्य के लिए चॉकलेट बेहतर होता है, इसके साथ ही स्ट्रेस कम करने, मूड बेहतर बनाने, त्वचा के लिए और एनर्जी बूस्ट करने में भी चॉकलेट फायदेमंद है।

चॉकलेट बॉल्स

सामग्री

2 पैकेट पारले जी बिस्कुट या ओरियो बिस्किट, 2 बड़े चम्मच कैडबरी कोको पाउडर, 4 बड़े चम्मच दूध, 1 बड़ा चम्मच घी।

विधि

बिस्किट को मिक्सी में पीसकर पाउडर बना लें। अब बिस्किट पाउडर में कोको पाउडर और घी डालें। मिश्रण को अच्छे से मिलाकर दूध मिलाएं। इस मिश्रण का नरम आटा गूंथ दें अब इस मिश्रण के छोटे छोटे लड्डू बनाएं। चॉकलेट बॉल्स तैयार हैं, स्प्रिंकल लपेटकर सजा सकते हैं।

चॉकलेट शेक

सामग्री

2 कप दूध, कोको पाउडर, स्वादानुसार चीनी और शहद, बर्फ, चॉकलेट आइसक्रीम, वनीला एसेंस।

विधि

पके हुए और सामान्य तापमान के दूध को मिक्सी में डालकर कोको पाउडर, चीनी और आइस क्यूब डालें, अब इसे अच्छी तरह से मिक्सी में पीस लें गिलास में चॉकलेट सिरप लगाकर 30 मिनट के लिए फ्रिज में रखें। तैयार होने पर चॉकलेट शेक को गिलास में डालें। अब चॉकलेट मिल्क शेक के ऊपर स्कूप से आइसक्रीम डालें और ठंडा-ठंडा सर्व करें।

हंसना मना है

पप्पू एक रेस्टोरेंट में खाना खाने गया, महिला वेटर- सर क्या लेंगे? पप्पू- आपका नंबर। फिर क्या, खाना भी नहीं मिला और ऊपर से पप्पू की हो गई जोरदार पिटाई।

विवाहित औरत पर किस तरह के भावों का प्रभाव पड़ता है? मनोविज्ञान के प्रोफेसर ने विद्यार्थी से पूछा। विद्यार्थी ने जवाब में बोला- जी, पति के स्वभाव का एवं बाजार के भाव का।

पिता-'तुम कैसे सिद्ध करोगे कि साग-पात खाने वाले की निगाहें तेज होती हैं। पुत्र-'वाह पिताजी, अभी तक कोई ने बकरे और घोड़े को चश्मा लगाते देखा है क्या?

पप्पू - लड़कियां कभी खुद प्यार का इजहार नहीं करतीं? गप्पू - क्यों? पप्पू - ताकि ब्रेकअप करते समय वो ये कह सकें कि तुम ही मेरे पीछे पड़े थे, मैं नहीं! पप्पू की बात सुनकर गप्पू बेहोश हो गया।

कहानी: जैसी संगत वैसी रंगत

एक बार एक भंवरे की मित्रता एक गोबरी कीड़े के साथ हो गई, कीड़े ने भंवरे से कहा कि भाई तुम मेरे सबसे अच्छे मित्र हो। इसलिये मेरे यहां भोजन पर आओ, अब अगले दिन भंवरा सुबह-सुबह तैयार हो गया और अपने बच्चों के साथ गोबरी कीड़े के यहां भोजन के लिये पहुंचा। कीड़ा भी उन को देखकर बहुत खुश हुआ और सब का आदर करके भोजन परोसा। भोजन में गोबर की गोलियां परोसी गई और कीड़े ने कहा कि खाओ भाई रुक क्यों गए। भंवरा सोच में पड़ गया, कि मैने बुरे का संग किया। इसलिये मुझे तो, गोबर खाना ही पड़ेगा। भंवरा ने सोचा कि ये मुझे इसका संग करने का फल मिला। अब इस को भी मेरे संग का फल मिलना चाहिये..भंवरा बोला भाई! आज तो मैं आप के यहां भोजन के लिये आया। अब तुम कल मेरे यहां आओगे। अगले दिन कीड़ा तैयार होकर भंवरे के यहां पहुंचा। भवरे ने कीड़े को उठा कर, गुलाब के फूल में बिठा दिया और रस पिलाया। कीड़े ने खूब फूलो का रस पिया और मजे किये अपने मित्र का धन्यवाद किया और कहां मित्र तुम तो बहुत अच्छी जगह रहते हो और अच्छा खाते हो। इस के बाद कीड़े ने सोचा क्यों न अब मैं यहीं रहूं और ये सोच कर फूल में बैठा रहा, इतने में ही पास के मंदिर का पुजारी आया और फूल तोड़ कर ले गया। और चढ़ा दिया प्रभु चरणों में... कीड़े को भगवान के दर्शन भी हुवे और उनके चरणों में बैठा। इस के बाद सन्ध्या में पुजारी ने सारे फूल इक्कठा किये और गंगा जी में छोड़ दिए। कीड़ा गंगा की लहरों पर लहर रहा था। और अपनी किस्मत पर हैरान था, कि कितना पूण्य हो गया। इतने में ही भंवरा उड़ता हुवा कीड़े के पास आया और बोला मित्र अब बताओ क्या हाल है? कीड़ा बोला भाई अब जन्म-जन्म के पापों से मुक्ति हो चुकी है। जहां गंगा जी में मरने के बाद अस्थियों को छोड़ा जाता है, वहां मैं जिन्दा ही आ गया हूं। ये सब मुझे तेरी मित्रता और अच्छी संगत का ही फल मिला है और ख़ुशी से निहाल हूं। तेरा धन्यवाद ! जिसको मैं अपनी जन्नत समझता था वो गन्दगी थी और जो तेरी वजह से मिला ये ही स्वर्ग है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। निराशा हावी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृषभ: कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा। आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है।

मिथुन: पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में दखल न दें। प्रमाद से बचें। जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी।

कर्क: किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे।

सिंह: व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। प्रमाद न करें।

कन्या: आज के दिन शुभता का लाभ मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। समय अनुकूल है।

तुला: किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृश्चिक: यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। जरूरी वस्तु गुम हो सकती है।

धनु: आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें।

मकर: रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दुःख होगा। विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा।

कुम्भ: नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा।

मीन: लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं किसी रिलेशनशिप में नहीं हूं : सुष्मिता सेन

सुष्मिता सेन ने एक्टिंग के साथ साथ अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। एक्ट्रेस को अक्सर सामाजिक मुद्दों पर बात करते देखा जाता है। सुष्मिता अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं पिछले कुछ समय से कहा जा रहा था कि सुष्मिता सेन का एक्स बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल के साथ पैचअप हो गया है। दोनों फिर से रिलेशनशिप में है। इन गॉसिप्स को लेकर सुष्मिता सेन ने साफ साफ कहा है कि इन बातों में कोई सच्चाई नहीं है। सुष्मिता सेन हाल ही मे रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट चैप्टर 2 में नजर आई थीं। पॉडकास्ट में उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े किस्से सुनाए। बातचीत के दौरान उनसे डेटिंग लाइफ को लेकर सवाल किया। सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वह किसी रिलेशनशिप में नहीं हैं। वह तो दो साल से सिंगल हैं। एक्ट्रेस सेन ने लवलाइफ पर कहा, मेरी जिंदगी में कोई भी आदमी नहीं है। मैं पिछले काफी समय से सिंगल हूं। सही डेट भी बताऊं तो ये साल 2021 की बात है। मैं किसी भी रिलेशनशिप में नहीं हूं। मेरी जिंदगी में बहुत शानदार लोग हैं जो कि मेरे सच्चे दोस्त हैं। रिया चक्रवर्ती ने सुष्मिता सेन से सवाल किया कि क्यों वो किसी को पसंद करती हैं। जिसपर एक्ट्रेस ने कहा, नहीं, मैं किसी में इंटरेस्टेड भी नहीं हूं फिलहाल तो। ये अच्छा है कि मैंने ब्रेक लिया हुआ है। मैं इससे पहले 5 साल से एक रिश्ते में थी। वो काफी लंबा समय था। बता दें कि सुष्मिता सेन के एक्स बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल थे जो उनसे 15 साल छोटे थे। दोनों ने साल 2021 में ब्रेकअप कर लिया था। दोनों ने ब्रेकअप को लेकर सोशल मीडिया पर ऑफिशियल पोस्ट भी किया था।

महाराज का कमाल जारी टॉप-10 में जगह बरकरार

आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने इस साल फिल्म महाराज से डेब्यू किया है। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है। हालांकि, इस फिल्म की रिलीज में काफी अड़चनें आईं और तय तारीख पर फिल्म रिलीज नहीं हो सकी थी। कोर्ट ने रिलीज पर रोक लगा दी थी। हालांकि, तमाम रुकावटों के बाद जब 21 जून को महाराज को रिलीज किया गया तो तब से अब तक इसका कमाल जारी है। महीनाभर होने के बाद भी यह टॉप 10 लिस्ट में है।

फिल्म महाराज का निर्देशन सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने किया है। जुनैद खान के अलावा इसमें जयदीप अहलावत, शालिनी पांडे , शरवरी वाघ और जय उपाध्याय जैसे कलाकार भी शामिल हैं। फिल्म पत्रकार करसनदास मुलजी पर आधारित है, जिन्होंने एक ऐसे बाबा के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ी, जो धर्म की आड़ में महिलाओं का शोषण किया करता। इस केस को 'महाराज लिबेल केस' के रूप में जाना जाता है। टॉप 10 में जगह बरकरार फिल्म में जुनैद खान ने करसनदास मुलजी का किरदार अदा किया है। वहीं जयदीप अहलावत धार्मिक बाबा की भूमिका में हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। महीनेभर बाद भी इसका दबदबा कायम है। लगातार चौथे हफ्ते भी यह फिल्म ओटीटी की टॉप 10 फिल्मों की सूची में अपनी जगह बनाए हुए है। डेब्यू फिल्म से ही आमिर खान के बेटे ने अपने अभिनय की छाप छोड़ दी है।

फिल्म के लिए की कठोर मेहनत

इस फिल्म के लिए जुनैद खान ने काफी मेहनत की और फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन भी किया। उन्होंने अपने किरदार की खातिर कई किलो वजन घटाया। उनके साथ-साथ जयदीप अहलावत ने भी अपने किरदार से फिल्म में जान फूंक दी है। हमेशा की तरह इस फिल्म में भी उन्होंने अपने अभिनय से दिल जीते हैं। जयदीप अहलावत ने भी फिल्म के लिए अपना कई किलो वजन घटाया।

15 अगस्त को सिनेमाघरों में धमाल मचायेगी मिस्टर बच्चन

साउथ के मास महाराजा रवि तेजा इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म मिस्टर बच्चन को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। दर्शक बेसब्री से फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, अब निर्माताओं ने इस इंतजार पर विराम लगा दिया है और फिल्म की रिलीज डेट का आधिकारिक एलान कर दिया है।

अजय देवगन की रेड का तेलुगु रूपांतरण मिस्टर बच्चन स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में धमाल मचाएगी। निर्माताओं और रवि तेजा ने इसकी घोषणा करने के लिए सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर भी साझा किया। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस पीपल मीडिया फैक्ट्री ने लिखा,

वक्त पे पहुचनेका अपना पुराना आदत है। मिस्टर बच्चन की 15 अगस्त को दुनिया भर में ग्रैंड रिलीज होगी। 14 अगस्त को सभी जगह विशेष प्रीमियर होगा। बड़े पर्दे पर जबरदस्त मनोरंजन के लिए तैयार हो जाइए।

यह हिंदी फिल्म रेड की रीमेक है, जिसमें रवि तेजा में एक सरकारी कर्मचारी के रूप में नजर आएंगे, जिसमें एक सामाजिक संदेश भी है। वहीं, भाग्यश्री बोरसे इस थ्रिलर फिल्म में रवि के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह हिंदी फिल्म रेड की रीमेक है, जिसमें रवि तेजा में एक सरकारी कर्मचारी के रूप में नजर आएंगे, जिसमें एक सामाजिक संदेश भी है। वहीं, भाग्यश्री बोरसे इस थ्रिलर फिल्म में रवि के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह हिंदी फिल्म रेड की रीमेक है, जिसमें रवि तेजा में एक सरकारी कर्मचारी के रूप में नजर आएंगे, जिसमें एक सामाजिक संदेश भी है। वहीं, भाग्यश्री बोरसे इस थ्रिलर फिल्म में रवि के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी।

अजब-गजब | तंजानिया में रहते हैं हद्जाबे प्रजाति के जनजाति

ये जनजाति सीटी बजाकर करते हैं बात

दुनियाभर में कई ऐसी जनजातियां हैं, जो अपने अजीबोगरीब परंपराओं की वजह से दुनियाभर में जानी जाती हैं। इनमें से किसी ट्राइब के पुरुषों को मर्दानगी साबित करने के लिए दुनिया के सबसे खतरनाक चिट्टियों से कटवाना पड़ता है, तो किसी जनजाति में महिलाओं का राज चलता है। लेकिन इन सबसे अलग ये जनजातियां अपने खान-पान को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। कोई अपने मृतकों की डेड बॉडी को खा जाता है, तो कोई चिट्टियों की चटनी बनाकर खाता है। आज हम आपको एक ऐसी ही जनजाति के बारे में बतलाने जा रहे हैं, जो गाजर-मूली की तरह कच्चे मांस को चबाकर खा जाते हैं। यहां तक की मांस से जब खून टपकता है तो उसे भी चूसकर पी जाते हैं। इसी से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है।

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर ये कौन-सी जनजाति है? ऐसे में बता दें कि इस ट्राइब का नाम हद्जाबे है, जो मूल रूप से तंजानिया में रहते हैं। इन्हें शिकारी जनजाति माना जाता है, जो जानवरों का शिकार कर उन्हें कच्चा चबा जाते हैं। इतना ही नहीं, ये एक-दूसरे से बातचीत के लिए बोलते नहीं हैं, बल्कि सीटी जैसी आवाज निकाल संवाद करते हैं। इन्हें बोलना नहीं आता है और जंगल में रहने की वजह से पढ़ना भी नहीं जानते। लेकिन आज हम आपको इनके खान-पान से जुड़ा

एक वीडियो दिखाने जा रहे हैं, जिसमें आप देख सकते हैं कि हद्जा जनजाति का एक शख्स कच्चे मांस का टुकड़ा अपने हाथ में लिया हुआ है। वो बड़े आराम से उस मांस को खा रहा है।

वीडियो देखने के बाद साफ पता चलता है कि मांस बिल्कुल ताजा है, क्योंकि उससे खून टपक रहा है। उस खून को भी ये शख्स चूसकर पी जा रहा है। वो बड़े आराम से मांस के हर बाइट को एन्जॉय कर रहा है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को अफ्रीकन ट्राइब कल्चर नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। वीडियो का कैप्शन है, 'कच्चे मांस का स्वाद लाजवाब होता है। यह तंजानिया के हद्जाबे जनजाति का पसंदीदा भोजन है।'

इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को 4 करोड़ 32 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। 4 लाख 63 हजार से ज्यादा लोगों ने इसे लाइक किया है, जबकि 17 हजार से ज्यादा कमेंट्स आए हैं। लाखों लोगों ने वीडियो को शेयर भी किया है।

वायरल हो रहे इस वीडियो पर कमेंट करते हुए आदित्य नाम के शख्स ने लिखा है कि भाई पाषाण युग में जी रहा है। मारूफ नाम के शख्स ने लिखा है कि उनके पास इंटरनेट तो है लेकिन खाना बनाने के लिए आग नहीं है। नॉयर वाका नाम के यूजर ने कमेंट किया है कि सच तो यह है कि वे हम सबसे अधिक खुश हैं, उन्हें कोई टैक्स नहीं देना, कोई पारिवारिक समस्या नहीं, कोई नौकरी का तनाव नहीं, कोई रिश्ते की समस्या नहीं, कोई पैसा भी नहीं, कुछ भी नहीं, बस अपने परिवार और दोस्तों के साथ खुशी से रह रहे हैं। प्रकृति ने जो उन्हें दिया है, वो उसका आनंद ले रहे हैं। एक महिला यूजर एंजेला ने लिखा है कि यह खतरनाक है! वे बीमार हो सकते हैं और मर सकते हैं! कच्चा मांस! जो लोग कैंपिंग ट्रिप पर गए हैं और उन्होंने अपना हैमबर्गर ठीक से नहीं पकाया, उन्हें अधपका मांस खाने के कारण अस्पताल जाना पड़ा! बहुत गंभीर बात है, ऐसा नहीं करना चाहिए! क्या इन लोगों के पास दिमाग नहीं है या क्या उन्हें स्वास्थ्य और सुरक्षा के बारे में पता नहीं है!

इस शिवलिंग पर चढ़ाने के बाद दूध का रंग हो जाता है नीला

आज से सावन का पवित्र महीना शुरू हो गया है। सावन के पवित्र महीने में लोग भगवान शिव की पूजा करते हैं और उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। आज सावन का पहला सोमवार है और इस मौके पर हम आपको एक चमत्कारिक शिवलिंग के बारे में बताने जा रहे हैं। हमारे देश में भगवान शिव के लाखों मंदिर हैं। इनमें से कई मंदिर चमत्कारिक भी हैं। कई चमत्कारों का तो वैज्ञानिक भी आज तक रहस्य नहीं सुलझा पाए। आप भी सावन में शिवलिंग पर दूध चढ़ाते होंग लेकिन क्या आपको पता है कि कए शिवलिंग ऐसा भी है जिस पर दूध चढ़ाने पर दूध का रंग बदल जाता है। एक ऐसा ही मंदिर केरल में स्थित है। जिसके चमत्कार के चर्चे देश नहीं बल्कि पूरे विश्व में हैं। यह मंदिर तमिलनाडु के कीजापेरुमपल्लम गांव में स्थित है। नागनाथस्वामी मंदिर को केति स्थल के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर कावेरी नदी के तट पर स्थित है। आपको जानकर हैरानी होगी कि मंदिर में जब श्रद्धालुओं द्वारा शिवलिंग पर दूध चढ़ाया जाता है तो उसका रंग देखते ही देखते नीला हो जाता है।

सबसे आश्चर्य की बात है कि इसके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया है। लोगों को समझ ही नहीं आता कि आखिर ऐसा क्यों होता है। हालांकि यह हमेशा देखने को नहीं मिलता। मान्यता है कि जो लोग केतु ग्रह के दोष से पीड़ित होते हैं, सिर्फ उनके द्वारा ही जो दूध चढ़ाया जाता है उसका ही रंग नीला होता है। बाद में ये रंग फिर से सफेद हो जाता है। रानी इस बात की है कि वैज्ञानिक भी आज तक यह नहीं जान पाए हैं कि आखिर दूध का रंग नीला क्यों हो जाता है। सबसे हैरानी की बात है कि यह वापस से सफेद रंग का कैसे हो जाता है, इसके बारे में भी वैज्ञानिक नहीं जान पाए हैं। इस मंदिर में दूध चढ़ाने के बाद उसका रंग बदलने को लोग चमत्कार कहते हैं। मंदिर में लोग काफी दूर से दर्शन करने आते हैं। मंदिर से जुड़ी एक मान्यता भी है। माना जाता है कि एक बार महान ऋषि के श्राप से मुक्ति के लिए केतु ने भगवान शिव की आराधना की थी। इसके बाद केतु की तपस्या से खुश होकर भगवान शिव ने शिवरात्रि के दिन केतु को श्रॉप से मुक्ति दी थी। इसके बाद से ही केतु को समर्पित इस मंदिर मे भगवान शिव का भी माना जाता है।

भारत की विविधता को मिटाना इतिहास विरोधी कदम : सिब्बल

» बोले- कई पहलुओं से मिलकर बनता है एक राष्ट्र

» केंद्र की एनडीए सरकार पर बरसे राज्यसभा सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हम क्या हैं ये जानने के लिए इतिहास में जाना होगा

देश के वरिष्ठ अधिवक्ताओं में शुमार कपिल सिब्बल ने आगे कहा कि किसी देश की नींव क्या है, यह जानने के लिए आपको यह समझना होगा कि सदियों पहले उसका विकास कैसे हुआ और जब आप यह समझ जाएंगे, तो आपको पता चल जाएगा कि भारत क्या है? उन्होंने कहा कि भारत की अवधारणा सदियों में विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि हमारा राष्ट्र इतना विविधतापूर्ण क्यों है? ऐसा क्यों है कि विविधता हमारी संस्कृति में अंतर्निहित है? हम जो हैं, वह क्यों हैं? इसके लिए हमें अपने हजारों वर्षों के इतिहास में जाना होगा।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता व राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भाजपा समर्थित देश की एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा है। केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कपिल सिब्बल ने कहा कि मौजूदा सरकार को यह एहसास नहीं है कि विविधता को मिटाना इतिहास विरोधी कदम है। इससे तनाव पैदा होगा।

एमपी वीरेंद्र कुमार के सम्मान में चौथा स्मृति व्याख्यान देते हुए राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भारत की अवधारणा और इसके विकास के बारे में कहा कि हम भारत की अवधारणा के बारे में क्यों बात करते हैं? ऐसा इसलिए है कि हममें से ज्यादातर लोग इस महान राष्ट्र की उत्पत्ति को नहीं समझते हैं। अगर आप मुझसे पूछें, तो एक राष्ट्र कई पहलुओं से मिलकर बना होता है, जो उसके इतिहास में अंतर्निहित होते हैं। जब तक आप किसी राष्ट्र के इतिहास और सदियों पुरानी उसकी उत्पत्ति को नहीं समझते, तब तक आप कभी नहीं समझ पाएंगे कि राष्ट्र क्या है?

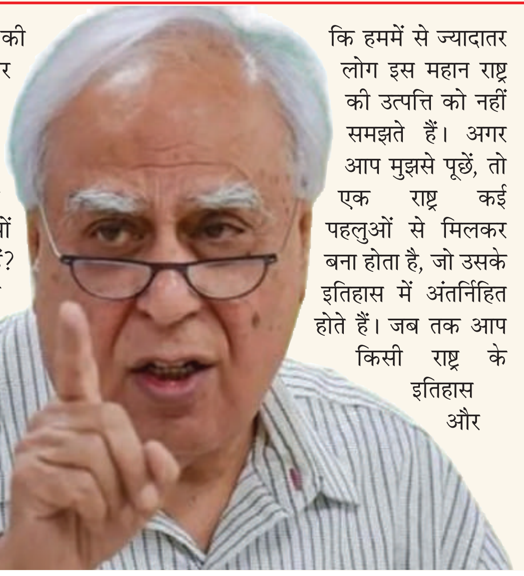

आप ऐतिहासिक तथ्य को नहीं मिटा सकते

सिब्बल ने आगे कहा कि हमारे देश में एक राजनीतिक दल है जो विविधता को मिटाना चाहता है, लेकिन आप ऐतिहासिक तथ्य को नहीं मिटा सकते। आप किसी राजनीतिक दल के राजनीतिक हुक्म के जरिए विविधता को कैसे मिटा सकते हैं? वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि एकमात्र राजनीतिक मूलमंत्र जो इस देश को आगे ले जा सकता है, वह है हमारी विविधता को स्वीकार करना और उस विविधता को भारत की अवधारणा में समाहित करना, जो उस ऐतिहासिक तथ्य को स्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार को यह नहीं पता कि विविधता को मिटाना इतिहास विरोधी कदम है और इससे भारतीय राजनीति में तनाव पैदा होगा।

विधानसभा में दोहराएंगे लोस की सफलता : उद्धव

» पार्टी बैठक में एमवीए को मजबूत करने पर बनी सहमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले तमाम राजनीतिक दल रणनीति बनाने में जुट गए हैं। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की उनके आवास मातोश्री पर सीपीआई (एम) के राज्य स्तरीय नेतृत्व के साथ बैठक हुई। इस दौरान इस बात पर सहमति जताई गई कि हमें महा विकास अघाड़ी के नेतृत्व में लोगों को मजबूती से एकजुट करना चाहिए। इस बैठक में विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर राय-मशविरा किया गया।

बैठक में उद्धव ठाकरे ने कहा कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की जनता ने महा विकास अघाड़ी को जीत दिलाई, उम्मीद है कि आगामी विधानसभा चुनाव में सब मिलकर काम करेंगे और राज्य में सत्ता परिवर्तन कर उसे दोहराएंगे। उद्धव ने आश्वासन दिया कि महा विकास अघाड़ी को मजबूत करने के लिए गठबंधन की एक बड़ी बैठक जल्द से जल्द आयोजित की जाएगी। इस बैठक में जनता के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। दूध शुल्क और किसान ऋण माफी के लिए किसान सभा के नेतृत्व में आन्दोलन को लेकर उद्धव ठाकरे ने आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी पूर्ण समर्थन देकर इसमें सक्रिय रूप से भाग लेगी। बैठक में राज्य में श्रमिकों की समस्याओं पर भी चर्चा की गई। बैठक में विशेष रूप से पुरानी पेंशन योजना, संविदा कर्मियों, योजना कर्मियों के मुद्दों को उठाने के लिए सशक्त अभियान चलाने पर विचार-विमर्श किया गया।

श्रीलंकाई नौसेना ने रामेश्वरम के नौ भारतीय मछुआरों को पकड़ा

» समुद्री सीमा पार करने का लगा आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोयंबटूर। श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के तट से दो पावरबोट समेत रामेश्वरम के नौ भारतीय मछुआरों को पकड़ लिया। उन्होंने दावा किया कि मछुआरे भारतीय सीमा के पार जाकर मछली पकड़ रहे थे। मछुआरे 535 नावों पर सवार होकर मन्नार की खाड़ी में मछली पकड़ने गए थे। ऐसा पहली बार नहीं हुआ। इससे पहले भी रामेश्वरम से श्रीलंकाई नौसेना भारतीय मछुआरों को पकड़ चुके हैं।

इसी महीने एक जुलाई को रामेश्वरम द्वीप क्षेत्र के पास पाक खाड़ी समुद्री क्षेत्र में पंबन से मछली पकड़ने गए 26 भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़ लिया था। उनके साथ चार देशी नाव को जब्त कर लिया गया था। पिछले महीने ही

श्रीलंकाई नौसेना ने अपने जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने के आरोप में 18 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था। उनके साथ मछली पकड़ने वाली तीन नौकाओं को भी जब्त कर लिया गया था। इससे पहले भी श्रीलंकाई नौसेना ने चार भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था और उनकी नौका जब्त कर ली थी। इस साल जनवरी में श्रीलंका की नौसेना ने 12 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था।

किसान आंदोलन-2 की तैयारी में एसकेएम

» एमएसपी पर कानून समेत कई मांगों को लेकर दिल्ली कूच का ऐलान

» 22 अगस्त से पूरे देश में होंगे विरोध कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के अन्नदाता कहे जाने वाले किसान एक बार फिर बड़े आंदोलन करने की तैयारी में हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी समेत 12 पुरानी मांगों पर संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने नए सिरे से किसान आंदोलन 2.0 की रणनीति बनाई है। इस नई रणनीति के तहत एक अगस्त से 22 सितंबर तक एसकेएम पूरे देश में कई विरोध कार्यक्रमों का आयोजन करेगा।

संगठन ने किसानों के दिल्ली कूच का आह्वान करते हुए तीन साल पहले गणतंत्र दिवस की तरह इस बार स्वतंत्रता दिवस पर ट्रैक्टर रैली का आयोजन करने और तीन नए आपराधिक कानूनों की प्रतियां जलाने की घोषणा की है। आंदोलन के दूसरे पड़ाव में एसकेएम ने हरियाणा और यूपी में तीन रैलियां आयोजित करने की घोषणा की है।

हरियाणा-यूपी में रैलियां

एक अगस्त को अर्थी यात्रा निकालने की घोषणा

राजधानी के कांस्टिट्यूशन क्लब में बैठक के बाद एसकेएम ने एक अगस्त को राजधानी समेत देशभर के जिला मुख्यालयों में सरकार की अर्थी यात्रा निकालने की घोषणा की है। संगठन ने देशभर के किसानों का हरियाणा सीमा पर आंदोलनरत किसानों के समर्थन में दिल्ली कूच करने का आह्वान किया है। किसान आंदोलन के 200 दिन पूरा होने के मौके पर 31 अगस्त को किसानों का शंभू सीमा समेत अन्य सीमाओं पर दिल्ली कूच के लिए जुटने का आह्वान किया गया है।

इसके तहत हरियाणा के जिंद और पीपली में 15 और 22 सितंबर जबकि यूपी के संभल में एक सितंबर को रैली का आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि हरियाणा में अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

एसकेएम ने सरकार पर छल करने का लगाया आरोप

एसकेएम ने सरकार पर छल करने का आरोप लगाते हुए आरपार की जंग की घोषणा की है। गौरतलब है कि किसान एमएसपी पर कानूनी गारंटी देने, आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमे वापस लेने, इस दौरान जिन किसानों का निधन हुआ उनकी स्मृति में स्मारक बनाने, तीनों आपराधिक कानून वापस लेने, विश्व व्यापार संगठन से नाता तोडऩे की मांग कर रहे हैं।

पेपर लीक नहीं हुआ तो सीबीआई जांच क्यों : राघव

» आप सांसद ने शिक्षा मंत्री के बयान को बताया असंवेदनशील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लाखों छात्रों के जख्मों पर नमक छिड़क रहे शिक्षा मंत्री

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मानसून सत्र के पहले दिन संसद में आज संसद में विपक्ष ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को जमकर घेरा। वहीं इस मामले में विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सिर्फ बिहार से पेपर लीक की खबर थी और वहां सीबीआई जांच कर रही है। शिक्षा मंत्री के बयान पर अब आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पलटवार किया है।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा संसद में नीट पेपर लीक मामले पर दिए गए बयान पर आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि अगर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ऐसा बयान दिया है, जिसके जरिए वह लोगों को यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहे हैं कि कोई पेपर लीक नहीं हुआ है, तो मेरा मानना है कि यह एक असंवेदनशील बयान है और यह उन लाखों छात्रों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है, जिनका भविष्य खतरे में है। आप सांसद ने आगे कहा कि अगर पेपर लीक हुआ ही नहीं है तो फिर सीबीआई किसकी जांच कर रही है और क्यों एफआईआर दर्ज कर रही है। अगर पेपर लीक नहीं हुआ है तो फिर गिरफ्तारियां क्यों हो रही हैं। अगर ऐसा नहीं हुआ है तो फिर सुप्रीम कोर्ट किस पर सुनवाई कर रहा है और किस पर सरकार के गंभीर सवाल पूछ रहा है।

पेपर लीक से पल्ला न झाड़े सरकार

आप नेता ने कहा कि केंद्रीय मंत्री को इस तरह का असंवेदनशील बयान नहीं देना चाहिए हम इसकी घोर निंदा करत हैं। उनसे अनुरोध करते हैं और उनसे ये अपेक्षा रखते हैं कि वे पेपर लीक की घटना को स्वीकारते हुए उसके खिलाफ सख्त कानून बनाएं और इसका समाधान लाखों बच्चों को दें न कि उससे पल्ला झाड़ें। दरअसल, लोकसभा में पेपर लीक मामले पर जवाब देते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि सिर्फ बिहार में पेपर लीक की खबर आई थी, वहां जांच की जा रही है। वहीं अब उनके इस बयान पर विपक्ष उनपर हमलावर है।

सीबीआई हम लोगों को परेशान कर रही : शिवकुमार

» वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति निगम घोटाले में सरकार के ईडी-सीबीआई पर आरोप

» उपमुख्यमंत्री ने मंत्रियों विधायकों के साथ किया विरोध प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक में इन दिनों महर्षि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति निगम में हुआ 187 करोड़ रुपये का कथित घोटाला सुर्खियों में बना हुआ है। सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय के दो अधिकारियों पर केस दर्ज किया गया।

आरोप है कि दोनों अधिकारियों ने राज्य सरकार के एक अधिकारी पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और वित्त विभाग को फंसाने के लिए दबाव डाला था। अब इसी को लेकर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार मंत्रियों और विधायकों के साथ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। डीके शिवकुमार का कहना है कि सीबीआई हम लोगों को परेशान कर रही है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आज समाज कल्याण विभाग के सहायक निदेशक को सीएम का नाम बताने के लिए मजबूर करने के लिए मंत्रियों सहित सभी विधायक ईडी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मंत्री ने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच में सहयोग करने के लिए खुद इस्तीफा दे दिया था। एसआईटी पहले ही 50 प्रतिशत राशि वसूल चुकी है और कई लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। अब ईडी इसमें शामिल हो गया है और वह समाज कल्याण विभाग के सहायक निदेशक को यह कहने के लिए मजबूर कर रहा है कि मुख्यमंत्री इसमें शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे निशाना बनाया गया है। सीबीआई मेरे जैसे लोगों को परेशान कर रही है। एफआईआर दर्ज कर ली गई है। कानून अपना काम करेगा। हम जांच में हस्तक्षेप नहीं करना चाहते। हम इस पर विधानसभा में भी चर्चा करेंगे।

कर्नाटक सरकार ने किया एसआईटी का गठन

गौरतलब है कि इस बारे में समाज कल्याण विभाग के अपर निदेशक कल्लेश बी ने विल्सन गार्डन पुलिस स्टेशन में दोनों ईडी अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। दोनों ही अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक धमकी और शांति भंग करने के इरादे को लेकर मामला दर्ज कराया गया है। कल्लेश ने जिन अधिकारियों के खिलाफ मामले दर्ज कराए हैं, उनमें से एक का नाम मुरली कन्नन है, जबकि दूसरे अधिकारी का कुलनाम मित्तल है। कर्नाटक सरकार ने इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया है। इसके अलावा सीबीआई भी 187 करोड़ रुपये के कथित घोटाले की जांच कर रही है। आपको बता दें कि इस मामले की जांच प्रक्रिया में प्रवर्तन निदेशालय को भी शामिल किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व मंत्री बी नागेन्द्र और वाल्मीकि निगम के अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दल से जुड़े ठिकानों पर भी छापा मारा। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने बी नागेन्द्र को भी गिरफ्तार किया, वे फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

चुने हुए सीएम की जिंदगी से खेल रही बीजेपी : संजय सिंह

» आप सांसदों ने संसद परिसर में किया विरोध प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र जारी है। इस बीच आम आदमी पार्टी के सांसदों ने आज संसद परिसर में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और उनके स्वास्थ्य पर चिंता जताते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि जेल में अरविंद केजरीवाल को मारने की साज़िश रची जा रही है।

राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सीएम केजरीवाल का शुगर लेवल कई बार 50 से नीचे आ चुका है। केंद्र की मोदी सरकार ईडी-सीबीआई का दुरुपयोग करके उनको जेल में रखे है। अरविंद केजरीवाल को तुरंत रिहा कराने की मांग को लेकर संसद में आप सांसदों का प्रदर्शन। संजय सिंह ने कहा कि आप दिल्ली के चुने हुए सीएम की जिंदगी से खेल रहे हैं। इससे पता चलता है कि मामला सिर्फ उनकी गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, यह अरविंद केजरीवाल की हत्या की गहरी साजिश है।

21 मार्च को हुई थी गिरफ्तारी

प्रदर्शन के मौके पर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और संदीप पाठक भी मौजूद रहे। बता दें कि सीएम अरविंद केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। तब से सीएम न्यायिक हिरासत में हैं। उन्हें 26 जून को सीबीआई ने आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार कर लिया था। ईडी के मामले में सीएम केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल चुकी है। सीबीआई के मामले में हाई कोर्ट में सुनवाई होनी है।

मानहानि मामले में आतिशी को मिली बड़ी राहत

मानहानि के मामले में आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी को आज एक बड़ी राहत मिली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने आतिशी को 20,000 रुपये के जमानत बॉन्ड पर जमानत दे दी। उन्हें बीजेपी नेता प्रवीण शंकर कपूर की तरफ से दायर मानहानि शिकायत में तलब किया गया था। प्रवीण शंकर कपूर ने मानहानि याचिका में आरोप लगाया था कि आतिशी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तरफ से बीजेपी पर आप के विधायकों को पैसे देकर तोड़ने का आरोप लगाया गया। इससे पार्टी की छवि खराब हुई।

फोटो : 4पीएम

धरना भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक)ने किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए लखनऊ के डालीबाग स्थित गन्ना संस्थान में किया प्रदर्शन।

मुंह ताकता रह गया यूपी, नहीं मिला कुछ भी

केंद्र सरकार के बजट पर सपा-बसपा ने कसा तंज, कहा- लोस चुनाव के नतीजों का दिखा असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पेश किए गए आम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उत्तर प्रदेश के लिए कोई ऐलान नहीं किए।

हालांकि, लोकसभा चुनाव के पहले पेश किए गए अंतरिम बजट में यूपी को विशेष महत्व मिला था। लेकिन आज पेश किए गए आम बजट में यूपी खाली हाथ रहा। वित्त मंत्री ने अपने भाषण में उत्तर प्रदेश कहीं कोई जिक्र नहीं किया।

अखिलेश ने उठाए सवाल

बजट के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अगर हम उत्तर प्रदेश को देखें तो निवेश की स्थिति क्या है? इसके जो प्रोजेक्ट चल रहे हैं वह कभी समय पर पूरे नहीं हुए। अच्छी बात है कि बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है लेकिन उत्तर प्रदेश जैसा राज्य जो प्रधानमंत्री देता है क्या वहां के किसानों के लिए बजट में कुछ है?

'गरीबों-किसानों व महिलाओं को मायूस करने वाला बजट'

बसपा चीफ मायावती ने केंद्रीय बजट 2024 पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा कि संसद में आज पेश केन्द्रीय बजट अपने

पुराने ढर्रे पर कुछ मुट्ठी भर अमीर व धन्नासेठों को छोड़कर देश के गरीबों, बेरोजगारों, किसानों, महिलाओं, मेहनतकशों, वंचितों व उपेक्षित बहुजनों के त्रस्त जीवन से मुक्ति हेतु 'अच्छे दिन' की उम्मीदों वाला कम बल्कि उन्हें मायूस करने वाला ज्यादा। देश में छाई जबरदस्त गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, पिछड़ापन तथा यहां के 125 करोड़ से अधिक कमजोर तबकों के उत्थान व उनके लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं के प्रति इस नई सरकार में भी अपेक्षित सुधारवादी नीति व नीयत का अभाव।

बजट में नीतीश व नायडू को खुश करने का प्रयास

» बिहार के पुल से लेकर बिजली व्यवस्था तक दुरुस्त करने के एलान

» आंध्र के लिए चालू वित्त वर्ष में 15 हजार करोड़ और आगामी वर्षों में अतिरिक्त धनराशि देने की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज वित्तीय वर्ष 2024-25 का आम बजट पेश कर दिया है। इस बजट पर सबकी निगाहें लगी थीं, लेकिन सबसे ज्यादा उम्मीदें थीं केंद्र में भाजपा को सरकार बनवाने वाले बिहार और आंध्र प्रदेश को, क्योंकि यहां जेडीयू और टीडीपी ने ही नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचाया है। हालांकि, बिहार और आंध्र दोनों को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को केंद्र ने पहले ही ठुकरा दिया था। ऐसे में अब अपने सहयोगियों को खुश करने के लिए मोदी सरकार ने बजट में बिहार-आंध्र के लिए काफी हद तक पिटारा खोला है।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा तो नहीं मिला, लेकिन केंद्र ने बिहार को कई सौगातें दी हैं वित्त मंत्री ने संसद में बिहार की सड़क-संपर्क परियोजनाओं के लिए 26 हजार करोड़ रुपये देने का एलान किया है। इससे पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेसवे का विकास होगा। बोधगया, राजगीर, वैशाली और दरभंगा सड़क संपर्क परियोजनाओं का भी विकास होगा।

नए एयरपोर्ट व मेडिकल कॉलेजों की सौगात

वित्त मंत्री ने कहा कि बक्सर में गंगा नदी पर दो लेना वाला एक अतिरिक्त पुल बनाने में भी मदद होगी। बिहार में 21 हजार 400 करोड़ रुपये की लागत से विद्युत परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। इसमें पिरपैंती में 2400 मेगावॉट के एक नए संयंत्र की स्थापना भी शामिल है। बिहार में नए एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेजों और खेलकूद की अवसंरचना का भी निर्माण होगा। पूंजीगत निवेशों में सहायता के लिए अतिरिक्त आवंटन उपलब्ध कराया जाएगा। बिहार सरकार के बहुपक्षीय विकास बैंकों से बाह्य सहायता के अनुरोध पर तेजी से कार्यवाही होगी।

गया और बोधगया के इस मंदिर में बनेंगे गलियारे

गया के विष्णुपद मंदिर और बोधगया के महाबोधि मंदिर में गलियारे बनेंगे। राजगीर भी बौद्ध और जैन श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण है। राजगीर के तीर्थ क्षेत्रों का भी विकास होगा। नालंदा को भी पर्यटन केंद्र के रूप में मजबूत करने के लिए वहां विकास जाएगा।

बिहार को बाढ़ से बचाव के लिए 11500 करोड़ की मदद

बिहार कई सालों से बाढ़ की त्रासदी झेल रहा है। केंद्र सरकार बाढ़ नियंत्रण पर 11 हजार 500 करोड़ रुपये परियोजनाएं शुरू करेगी। इससे बैराज पर काम, नदी के गाद की समस्या, कोसी नदी पर बाढ़ के बचाव के उपाय, तटबंधों पर काम किया जाएगा।

आंध्र प्रदेश

पूंजीगत निवेश के लिए एक वर्ष तक अतिरिक्त आवंटन

आर्थिक विकास के लिए पूंजीगत निवेश के लिए एक वर्ष तक अतिरिक्त आवंटन। अधिनियम में रायलसीमा, प्रकाशम और उत्तर तटी आंध्र प्रदेश के पिछड़े क्षेत्रों के लिए अनुदान। सीतारमण ने कहा कि अंतरिम बजट में सरकार ने विकसित भारत को रोडमैप को देने का वादा किया था। इसी के साथ उन्होंने सरकार की नौ प्राथमिकताओं पर भी बात की, जिसमें खेती में उत्पादकता, रोजगार और क्षमता विकास, समग्र मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, अधोसरंचना, नवाचार, शोध, और विकास, अगली पीढ़ी के सुधार शामिल है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।